GOVT. BRENNEN COLLEGE CENTRAL LIBRARY THALASSERY

K17P 0346

Reg. No. : .....

Name : .....

Fourth Semester M.A. Degree (Reg./Supple./Imp.) Examination, March 2017
(2014 Admission Onwards)
HINDI LANGUAGE AND LITERATURE
HIN 4E07 : Hindi Language and Literature in Kerala

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. **सात** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **(7×2=14)**

1) डॉ. गोविन्द शेणाई की तीन रचनाएँ।
2) केरल के चार हिन्दी अनुवादक।
3) मलयालम से हिन्दी में अनूदित चार उपन्यास।
4) गोविन्द षेणाई की कहानियों की तीन विशेषताएँ।
5) डॉ. एन. चन्द्रशेखरन नायर के चार नाटकों के नाम।
6) केरल से प्रकाशित चार हिन्दी पत्रिकाएँ।
7) उच्च शिक्षा क्षेत्र में हिन्दी का प्रचार-प्रसार करनेवाले केरल के विश्वविद्यालयों के नाम।
8) केरल के चार महिला लेखकों के नाम।
9) 'नैवेद्य' किसकी रचना है, उसका हिन्दी अनुवाद किसने किया ?
10) केरल के प्रमुख चार हिन्दी साहित्यकारों के नाम ।

II. **छह** प्रश्नों के समीक्षात्मक उत्तर लिखिए (अधिकतम **150** शब्द) **(6×5=30)**

1) केरल की हिन्दी पत्रकारिता में हिन्दी संस्थाओं के योगदान पर विचार कीजिए।
2) पठित कविता के आधार पर डॉ. षणमुखन जी की काव्यकला पर प्रकाश डालिए।
3) 'आगे कौन हवाल' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।
4) केरल की हिन्दी पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।
5) स्वतन्त्रता आन्दोलन में खादी के प्रभाव पर अपना विचार व्यक्त कीजिए।

P.T.O.

6) हिन्दी में अनूदित मलयालम कहानियों पर प्रकाश डालिए।

7) स्वतंत्रता आन्दोलन में हिन्दी भाषा के योगदान पर लिखिए।

8) ''अतीत अप्रिय होने पर भी वर्तमान के लिए अनिवार्य है और वर्तमान शीघ्र ही अतीत की कोटि में धकेल दिया जाएगा''-सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

9) ''भगवान राम की एक नहीं
कई शबरियाँ
पानी में डूब मरती हैं
हज़ारों आदिवासी
बेकार हो जाते हैं
लाखों पेड़-पौधे
जल-समाधि लेते हैं।।''
– सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

10) 'देवायनी' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

III. **तीन** प्रश्नों पर निबन्ध लिखिए। **(3×12=36)**

1) 'केरल में हिन्दी के प्रचार' - विषय पर लेख लिखिए।

2) मलयालम से हिन्दी में अनूदित काव्य साहित्य पर प्रकाश डालिए।

3) 'आ जा रे परदेशी' निबन्ध के आधार पर अय्यरजी की निबन्धकला पर प्रकाश डालिए।

4) केरल के साँस्कृतिक परिप्रेक्ष्य पर विचार कीजिए।

5) 'देवयानी' नाटक के आधार पर डॉ. एन. चन्द्रशेखरन नायर जी की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।